समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 25 August 2026

संत सावता माळी नागरी सहकारी पतसंस्था, पुसद के संस्थापक श्री आत्माराम विश्वंभरराव जाधव : सहकारिता, समाजसेवा और जनविश्वास का प्रेरणादायी नेतृत्व

Sanket Morankar

Published on 10 Jul 2026

सहकारिता केवल वित्तीय लेन-देन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के सर्वांगीण विकास का सशक्त आधार है। इसी विचारधारा को अपने जीवन का उद्देश्य बनाकर **संत सावता माळी नागरी सहकारी पतसंस्था मर्यादित, पुसद** की स्थापना करने वाले **श्री आत्माराम विश्वंभरराव जाधव** आज महाराष्ट्र के सहकारिता क्षेत्र के प्रतिष्ठित नेतृत्वकर्ताओं में गिने जाते हैं। उन्होंने अपने दूरदर्शी नेतृत्व, ईमानदार कार्यशैली और समाजहित की भावना के माध्यम से एक ऐसी संस्था का निर्माण किया है, जिसने हजारों परिवारों का विश्वास जीतते हुए आर्थिक प्रगति और सामाजिक सेवा दोनों क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

श्री आत्माराम जाधव का मानना है कि किसी भी सहकारी संस्था की वास्तविक सफलता केवल उसकी आर्थिक प्रगति से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि वह समाज के अंतिम व्यक्ति तक कितनी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ पहुंचती है। इसी सोच के साथ उन्होंने संत सावता माळी नागरी सहकारी पतसंस्था को पारदर्शिता, अनुशासित वित्तीय प्रबंधन, नैतिक प्रशासन और जनविश्वास के मजबूत स्तंभों पर खड़ा किया।

संस्था की स्थापना के बाद से ही उन्होंने प्रत्येक सदस्य, जमाकर्ता और ग्राहक के विश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। परिणामस्वरूप आज यह संस्था यवतमाल जिले की विश्वसनीय सहकारी पतसंस्थाओं में अपनी अलग पहचान बना चुकी है। संस्था ने केवल पुसद तक ही अपनी सेवाएं सीमित नहीं रखीं, बल्कि लगातार विस्तार करते हुए वाशिम जिले सहित अन्य क्षेत्रों में भी अपनी शाखाओं का सफल संचालन प्रारंभ किया। प्रत्येक नई शाखा संस्था की बढ़ती प्रतिष्ठा, मजबूत वित्तीय व्यवस्था और जनता के विश्वास का प्रतीक है।

श्री जाधव का मानना है कि सहकारिता का उद्देश्य केवल ऋण देना या जमा स्वीकार करना नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। इसी उद्देश्य से संस्था किसानों, छोटे व्यापारियों, स्वरोजगार से जुड़े लोगों, महिलाओं, युवाओं तथा ग्रामीण परिवारों को सुलभ वित्तीय सेवाएं उपलब्ध करा रही है। व्यक्तिगत ऋण, व्यवसाय ऋण, कृषि ऋण, स्वर्ण ऋण,

सुरक्षित जमा योजनाएं तथा वित्तीय परामर्श जैसी अनेक सेवाओं के माध्यम से संस्था हजारों लोगों के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

सहकारिता के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व भी श्री आत्माराम जाधव के नेतृत्व की सबसे बड़ी पहचान है। उन्होंने हमेशा यह सिद्ध किया है कि आर्थिक संस्थाएं समाज के कठिन समय में सबसे पहले सहायता के लिए आगे आनी चाहिए। विभिन्न अवसरों पर आगजनी, प्राकृतिक आपदाओं तथा अन्य आकस्मिक घटनाओं से प्रभावित परिवारों को संस्था द्वारा तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की गई। जिन किसानों के घर आग से नष्ट हो गए, उन्हें आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराया गया। जरूरतमंद परिवारों को घरेलू उपयोग की आवश्यक सामग्री, विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री, पुस्तकें, स्कूल यूनिफॉर्म, पंखे तथा अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं वितरित कर संस्था ने मानवीय संवेदनाओं का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

इतना ही नहीं, संस्था ने मुख्यमंत्री सहायता कोष में भी योगदान देकर प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों की सहायता में अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाई। श्री जाधव का स्पष्ट विश्वास है कि वास्तविक विकास वही है जिसमें आर्थिक उन्नति के साथ मानवता और सेवा का भाव भी समान रूप से शामिल हो।

महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी उनका योगदान अत्यंत सराहनीय रहा है। उन्होंने महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता को परिवार और समाज की प्रगति का आधार माना। इसी सोच के साथ संस्था ने महिला स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराया तथा स्वरोजगार आधारित अनेक योजनाओं को प्रोत्साहित किया। सैनिटरी नैपकिन निर्माण, ग्रामीण लघु उद्योग, महिला उद्यमिता, छोटे व्यवसायों के लिए वित्तीय सहायता तथा विभिन्न स्वरोजगार परियोजनाओं के माध्यम से अनेक महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला। इससे न केवल महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई बल्कि उनके परिवारों की आय और सामाजिक सम्मान में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

श्री आत्माराम जाधव ने सदैव सहकारिता के मूल सिद्धांतों—आपसी विश्वास, पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन, सामाजिक समरसता और नैतिक नेतृत्व—को अपने कार्य का आधार बनाया। उनके नेतृत्व में संस्था द्वारा स्थापना दिवस, सावित्रीबाई फुले जयंती, संत सावता माळी जयंती, शैक्षणिक जागरूकता कार्यक्रम, सदस्य सम्मान समारोह तथा अनेक सामाजिक और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का नियमित आयोजन किया जाता है। इन आयोजनों के माध्यम से संस्था केवल वित्तीय सेवाएं ही नहीं देती, बल्कि समाज में जागरूकता, शिक्षा और सामाजिक एकता को भी बढ़ावा देती है।

वित्तीय प्रबंधन के क्षेत्र में भी संस्था ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। संत सावता माळी नागरी सहकारी पतसंस्था ने सुरक्षित निवेश योजनाएं, प्रतिस्पर्धी ब्याज दरें, ग्राहक-केंद्रित सेवाएं और नियामकीय नियमों का पूर्ण पालन करते हुए स्वयं को एक मजबूत एवं स्थिर सहकारी संस्था के रूप में स्थापित किया है। हजारों सदस्य और जमाकर्ता संस्था पर विश्वास व्यक्त करते हैं, जो श्री जाधव के कुशल नेतृत्व और जिम्मेदार प्रशासन का परिणाम है।

उनकी नेतृत्व शैली का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष उनकी सादगी, सहज उपलब्धता और जनसंपर्क है। वे हमेशा लोगों की समस्याओं को सुनते हैं, उनके समाधान के लिए तत्पर रहते हैं और संस्था को केवल कार्यालयों तक सीमित न रखकर समाज के बीच सक्रिय बनाए रखते हैं। यही कारण है कि आज वे केवल एक सफल संस्थापक या अध्यक्ष नहीं, बल्कि एक संवेदनशील समाजसेवी, दूरदर्शी सहकारी नेता और प्रेरणादायी व्यक्तित्व के रूप में व्यापक सम्मान प्राप्त कर चुके हैं।

आज **संत सावता माळी नागरी सहकारी पतसंस्था मर्यादित, पुसद** सहकारिता और समाजसेवा के सफल समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बन चुकी है। श्री आत्माराम विश्वंभरराव जाधव के नेतृत्व में संस्था आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व निभाते हुए किसानों, उद्यमियों, महिलाओं और आम नागरिकों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

उनकी जीवन यात्रा इस बात का प्रमाण है कि जब नेतृत्व ईमानदारी, पारदर्शिता, सेवा और जनकल्याण की भावना पर आधारित होता है, तब कोई भी संस्था केवल वित्तीय संगठन नहीं रहती, बल्कि समाज के विश्वास, विकास और समृद्धि का मजबूत आधार बन जाती है। श्री आत्माराम विश्वंभरराव जाधव का योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए सहकारिता, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक नेतृत्व का प्रेरणादायी उदाहरण बना रहेगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.